फोड़ दयी क्यों मोरी मटकिया राह में चलते चलते

फोड़ दयी क्यों मोरी मटकिया,
राह में चलते चलते,
कान्हा फोड़ दयी रे,
मटकी फोड़ दयी रे।bd।

ओ मन मोहन मुरली वाले,
हमको छेड़ो ना,
जाने दे पनघट पे मोहे,
मटकी फोड़ो ना,
क्यूं तकरार करे मनमोहन,
राह में चलते चलते,
कान्हा फोड़ दयी रे,
मटकी फोड़ दयी रे।bd।

खींच न चूनर मोरी सवरिया,
चूड़ी तोड़ो ना,
भोली भाली मैं हूँ गुजरिया,
बहियाँ मरोरो ना,
तीर चलाये क्यों नैनन के,
राह में चलते चलते,
कान्हा फोड़ दयी रे,
मटकी फोड़ दयी रे।bd।

मैं तो ठहरी गांव की ग्वालिन,
तुम नंद के छोना,
जाए कहूंगी मां जसुदा से,
फिर मत कुछ कहना,
'राजेन्द्र' थक जाऊंगी लंबी,
राह में चलते चलते,
कान्हा फोड़ दयी रे,
मटकी फोड़ दयी रे।bd।

फोड़ दयी क्यों मोरी मटकिया,
राह में चलते चलते,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

कान्हा फोड़ दयी रे,
मटकी फोड़ दयी रे।bd।

गीतकार / गायक – राजेन्द्र प्रसाद सोनी।
8839262240

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com